doubtnut
India's Number 1 Education App

HINDI

BOOKS - X BOARDS

HINDI (COURSE B) SOLVED PAPER 2020

Hindi Course B 2020 Outside Delhi Set I खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक

एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

कितने प्रकार के काम करने वाले लेखक को दिखाई देते हैं? इस विभाजन का आधार क्या है?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूवर्क पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और

आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का

प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

जिन लोगों के लिए काम की उपयोगिता धन प्राप्त करना है, वे क्या अनुभव करते हैं?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूवर्क पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते,

क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप

समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझने के दृष्टिकोण को कैसे बदला जा सकता है?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे

अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी

धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव

करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में कौन-कौन लोग आते हैं?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूवर्क पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें

विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं।

वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

काम करना किनके लिए घृणित है?

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूवर्क पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक

एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Outside Delhi Set I खण्ड ख

1. नीचे लिखे वाक्य को निर्देशानुसार बदलिए

मोनुमैंट के नीचे झंडा फहराने के बाद स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

2. नीचे लिखे वाक्य को निर्देशानुसार बदलिए

मैं इतना थक गया था कि चल भी नहीं पा रहा था। (सरल वाक्य में)

View Text Solution

3. नीचे लिखे वाक्य को निर्देशानुसार बदलिए

अविनाश के झंडा फहराते समय उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रहकरके समास का नाम भी लिखिए :

(i) कुलश्रेष्ठ

(ii) अष्टसिद्धि

View Text Solution

5. निम्नलिखित को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम भी लिखिए :

(i) तीन हैं लोचन जिसके अर्थात् शिव

(ii) दान के लिए पात्र

View Text Solution

6. मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

बाएँ हाथ का खेल

View Text Solution

7. मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

आड़े हाथों लेना

View Text Solution

8. मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

दाँतों पसीना आना

View Text Solution

9. मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

आकाश पाताल एक करना

View Text Solution

10. प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

लेखक ने ग्वालियर से मुंबई तक प्रकृति और मनुष्य के संबंधों में किन बदलावों को महसूस किया?

'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

11. प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

तताँरा-वामीरो के त्याग के बाद उनके समाज में क्या सुखद परिवर्तन आया?

View Text Solution

12. प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

'एक संगठित समाज कृतसंकल्प हो तो ऐसा कुछ भी नहीं जो वह न कर सके।''डायरी का एक पन्ना' पाठ के संबंध में कहे गए उक्त कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए।

View Text Solution

13. प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

कर्नल को वज़ीर अली के अफ़साने हुड के कारनामे क्यों याद आ गए?

View Text Solution

14. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

शाश्वत मूल्य से आप क्या समझते हैं? 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि वर्तमान समय में इन मूल्यों की क्या प्रासंगिकता है?

View Text Solution

15. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया गया है? क्या आप उनके विचारों से सहमत हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

16. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

'तोप' कविता के में विरासत में मिली चीज़ों के महत्त्व पर अपना दृष्टिकोण लिखिए।

View Text Solution

17. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

'आत्मत्राण' कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि क्यों कहता है? स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

18. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

श्रीकृष्ण के पीले वस्त्र पर बिहारी ने क्या कल्पना की है? इस कल्पना का सौंदर्य समझाइए।

View Text Solution

19. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

'कर चले हम फ़िदा' गीत में सैनिकों की देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ हैं?

View Text Solution

20. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

'मनुष्यता' कविता के द्वारा कवि ने क्या प्रतिपादित करना चाहा है? विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

21. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

कबीर के दोहे के आधार पर कस्तूरी की उपमा को स्पष्ट कीजिए। मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति के लिए क्या करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

22. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए :

घर वालों के मना करने पर भी टोपी का लगाव इफ्फन के घर

और उसकी दादी से क्यों था? दोनों के अनजान, अटूट रिश्ते के बारे में मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार लिखिए।

View Text Solution

23. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए :

महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण महंत के चरित्र की किस सच्चाई को सामने लाता है? ठाकुरबाड़ी जैसी संस्थाओं से कैसे बचा जा सकता है?

View Text Solution

24. विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

सत्यमेव जयते

* भाव

* झूठ के पाँव नहीं होते

* सत्य ही परम धर्म

View Text Solution

25. विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

लड़का-लड़की एकसमान

* ईश्वर की देन

* भेदभाव के कारण

* दृष्टिकोण कैसे बदलें

View Text Solution

26. विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

शिक्षक-शिक्षार्थी संबंध

* संबंधों की परंपरा

* वर्तमान समय में आया अंतर

* हमारा कर्तव्य

View Text Solution

27. आपकी बस्ती के पार्क में कई अनधिकृत खोमचे वालों ने डेरा डाल दिया है, उन्हें हटाने के लिए नगर-निगम अधिकारी को लगभग 80-100 शब्दों में पन्न लिखिए।

View Text Solution

28. दूरदर्शन निदेशालय को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले अधिकाधिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाए।

View Text Solution

29. अपनी बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु कल्याण समिति के सचिव होने के नाते इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

30. आप अपने विद्यालय की छात्र संस्था के सचिव हैं तथा विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करवाना चाहते हैं। इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

31. अपने विद्यालय में होने वाले निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से संबंधित विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

32. आप अपना कंप्यूटर बेचना चाहते हैं। इससे संबंधित विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Outside Delhi Set Ii खण्ड ख

1. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

आप जो कुछ कह रहे हैं वह बिलकुल सच है। (सरल वाक्य में)

View Text Solution

2. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

कहा जाना चाहिए कि यह सभा एक ओपन चैलेंज थी। (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

3. वाक्य को निर्देशानुसार बदलिए :

पकड़े गए आदमियों की संख्या का पता नहीं चला। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए :

(i) कुल-परंपरा

(ii) यथाशक्ति

View Text Solution

5. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम भी लिखिए :

(i) ततौंरा और वामीरो (ii) नीला है जो कमल

View Text Solution

6. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

हाथ फैलाना

View Text Solution

7. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

नौ दो ग्यारह होना

View Text Solution

8. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

नाकों चने चबाना

View Text Solution

9. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

आग बबूला होना

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Outside Delhi Set Ii खण्ड ग

1. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

बड़े भाई साहब के कुछ कथनों से तत्कालीन शिक्षा-व्यवस्था के कुछ विशेष पहलुओं पर प्रकाश पड़ता है उनका उल्लेख करते हुए लिखिए कि आज की शिक्षण-व्यवस्था में किसी प्रकार के परिवर्तन आप पाते हैं?

View Text Solution

2. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

जापान में अस्सी प्रतिशत लोगों में मनोरुग्णता के कारणों को समझाते हुए लिखिए कि इस संदर्भ में चा -नो -यू की परंपरा को एक बड़ी देने' क्यों कहा गया

View Text Solution

3. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए :

अपने जीते जी ही अपनी धन-संपत्ति को हड़पने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्र और दाँव-पेच देखकर हरिहर काका पर क्या बीती होगी, कल्पना के आधार पर लिखिए।

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Outside Delhi Set Iii

1. वाक्य को निर्देशानुसार बदलिए :

जो एक नौकर रख लिया है, वही बनाता-खिलाता (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

2. वाक्य को निर्देशानुसार बदलिए :

जो रुपए दादा भेजते हैं, उसे हम बीस-बाईस तक खर्च कर डालते हैं। (सरल वाक्य में)

View Text Solution

3. वाक्य को निर्देशानुसार बदलिए :

मेरे बीमार होने पर तुम्हारे हाथ-पाँव फूल जाएँगे। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रहकरके समास का नाम भी लिखिए :

(i) यथासंभव

(ii) राहखर्च

View Text Solution

5. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम भी लिखिए :

(i) कमल के समान नयन

(ii) फूल और पत्ते

View Text Solution

6. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

रंगे हाथ पकड़ना

View Text Solution

7. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

बीड़ा उठाना

View Text Solution

8. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

बाएँ हाथ का खेल

View Text Solution

9. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

जान बख्श देना

View Text Solution

10. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

'पतझर में टूटी पत्तियाँ' में गांधीजी के संदर्भ में दो प्रकार के सोने की चर्चा क्यों की गई है और कैसे कहा जा सकता है कि गाँधीजी गिन्नी का सोना थे? अपना तर्कसम्मत मत व्यक्त कीजिए।

View Text Solution

11. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए :

पढ़ाई और परीक्षाओं के प्रति बड़े भाई साहब और छोटे भाई के दृष्टिकोण में क्या मौलिक अंतर है? आपके विचार से दोनों में सामंजस्य किस प्रकार बिठाया जा सकता है?

View Text Solution

12. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए :

समाज में समरसता बनाए रखने के लिए टोपी और इफ्फन जैसे पात्रों का होना आवश्यक है-तीन तर्क देकर पुष्टि कीजिए।

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Delhi Set I खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांशको ध्यानपूर्वक पूछे गये प्रश्न के उत्तर लिखिए- मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मित्र के

पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूर-संचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-संस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा। आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी

मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का

सार है।

नैनो-तकनीक के समर्थकों ने क्या संभावनाएँ व्यक्त को हैं?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांशको ध्यानपूर्वक पूछे गये प्रश्न के उत्तर लिखिए- मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त

इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मित्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूर-संचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-संस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा। आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की

तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई

मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

इसकी असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का क्या मत है? इस पर टिप्पणी कीजिए।

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांशको ध्यानपूर्वक पूछे गये प्रश्न के उत्तर लिखिए- मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का

नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मित्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूर-संचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-संस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा। आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को

छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास

बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

'नैनो-तकनीक से आप क्या समझते हैं?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांशको ध्यानपूर्वक पूछे गये प्रश्न के उत्तर लिखिए- मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक के समर्थक दावा करते हैं

कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मित्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूर-संचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-संस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा। आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद

पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस

तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

मानव प्रकृति का नियंत्रक कैसे बन गया?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांशको ध्यानपूर्वक पूछे गये प्रश्न के उत्तर लिखिए- मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की

घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मित्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूर-संचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-संस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना

सचमुच दिलचस्प होगा। आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण

इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

हीरे और कोयले में अंतर क्यों है?

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांशको ध्यानपूर्वक पूछे गये प्रश्न के उत्तर लिखिए- मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक थमी

भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मित्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूर-संचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव

के सामाजिक-संस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा। आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे

पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Delhi Set I खण्ड ख

1. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिलने पर भी बड़े भाई साहब चुप रहे। (संयुक्त वाक्य)

View Text Solution

2. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल उसकी जमीन हथिया रहे थे। (मिश्र वाक्स)

View Text Solution

3. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

आपने जो कहा, मैंने सुन लिया। (सरल वाक्य)

View Text Solution

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए-

(i) सप्तर्षि (ii) शरणागत

View Text Solution

5. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए-

(i) लंबा है उदर जिसका (गणेश) (ii) तन-मन-धन

View Text Solution

6. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

चेहरा मुरझाना

View Text Solution

7. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

आँखों से बोलना

View Text Solution

8. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

काम तमाम कर देना

View Text Solution

9. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

जान बख्श देना

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Delhi Set I खण्ड ग

1. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

डायरी का एक पन्ना, पाठ के आधार पर लिखिए 26 जनवरी 1931 का दिन विशेष क्यों था?

View Text Solution

2. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या लाभ उठाया? आपके विचार से छोटे भाई का व्यवहार उचित था या नहीं तर्क सहित उत्तर लिखिए।

View Text Solution

3. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था।

View Text Solution

4. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

'प्रेम सबको जोड़ता है।''तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

View Text Solution

5. लगभग 80 - 100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

'प्रेक्टिकल आइडियालिस्ट' से क्या अभिप्राय है? गांधीजी 'प्रेक्टिकल आइडियालिस्ट' थे, कैसे?

View Text Solution

6. लगभग 80 - 100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

प्रकृति के साथ मानव के दुर्व्यवहार और उसके परिणामों को 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

7. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

आत्मत्राण' कविता में कवि विपदा में ईश्वर से क्या चाहता है और क्यों?

View Text Solution

8. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

'है टूट पड़ा भू पर अंबर।' 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने ऐसा क्यों कहा?

View Text Solution

9. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

कबीर निंदक को अपने निकट रखने का परामर्श क्यों देते हैं?

View Text Solution

10. प्रश्न के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए :

'द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

11. लगभग 80 - 100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट करते हुए तोप की विशेषताएँ भी लिखिए।

View Text Solution

12. लगभग 80 - 100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

'मनुष्यता' कविता का मूल भाव अपने शब्दों में समझाइए।

View Text Solution

13. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए-

टोपी ने इफ्फन की दादी से अपनी दादी बदलने की बात क्यों कही। इससे बाल मन की किस विशेषता का पता चलता है?

View Text Solution

14. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए-

लेखक को स्कूल जाने के नाम से उदासी क्यों आती थी? सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। आपको स्कूल जाना कैसा लगता है? और क्यों?

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Delhi Set I खण्ड घ

1. विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-

सत्संगति

* सत्संगति का अर्थ

* सत्संगति का महत्त्व

* कुसंगति से हानि

View Text Solution

2. विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-

हमारी मेट्रो

* भारत की प्रगति का नमूना

* लोकप्रियता के कारण

* मेट्रो का विस्तार

View Text Solution

3. विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-

अनुशासन क्यों?

* अर्थ

* आवश्यकता

* प्रभाव

View Text Solution

4. आप विद्यालय की छात्र-परिषद् के सचिव हैं। स्कूल के बाद विद्यार्थियों को नाटक का अभ्यास करवाने के लिए अनुमति मांगते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 80 - 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

View Text Solution

5. अस्पताल कर्मचारियों के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लगभग 80 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

View Text Solution

6. आप अपनी कॉलोनी की कल्याण परिषद् के अध्यक्ष हैं। अपने क्षेत्र के पार्कों की साफ-सफाई के प्रति जागरूकता लाने हेतु कॉलोनीवासियों के लिए 40 - 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

View Text Solution

7. विद्यालय की सचिव की ओर से 'समय-प्रबंधन' विषय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला के लिए 40 - 50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

View Text Solution

8. कोई कंपनी 'लेखनी' नाम का नया पेन बाजार में लाना चाहती है। उसके लिए लगभग 25 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

View Text Solution

9. ए.टी.एम. केन्द्रों पर सावधानी बरतने संबंधी निर्देश देते हुए पंजाब नेशनल बैंक की ओर से लगभग 25 - 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Delhi Set Ii

1. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

निकोबार द्वीप के विभक्त होने की एक लोककथा आज भी दोहराई जाती है। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

2. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

समुद्र से चलकर ठंडी बयार तताँरा को छू रही थी। (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

3. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।

(सरल वाक्य में)

View Text Solution

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए-

(i) यथासमय (ii) गिरिधर

View Text Solution

5. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए-

(i) कला का मर्मज्ञ (ii) नीला है जो गगन

View Text Solution

6. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

हक्का-बक्का रहना

View Text Solution

7. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

खुशी का ठिकाना न रहना

View Text Solution

8. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

दाँतों तले उँगली दबाना

View Text Solution

9. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

आँखें दिखाना

View Text Solution

10. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

'मनुष्यता' कविता में 'परोपकार' के संबंध में दिए गए उदाहरण को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि आपका मित्र परोपकारी है, यह आपने कैसे जाना?

View Text Solution

11. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

'कर चले हम फिदा' नामक गीत के आधार पर सैनिक जीवन की चुनौतियों का वर्णन कीजिए। सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए आप क्या करेंगे?

View Text Solution

12. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए

'हरिहर काका' कहानी के आधार पर लिखिए कि रिश्तों की नींव मजबूत बनाने के लिए किन गुणों की आवश्यकता है और स्पष्ट कीजिए कि ऐसा क्यों जरूरी है?

View Text Solution

Hindi Course B 2020 Delhi Set Iii

1. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

लड़कों का एक झुंड पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा था। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

2. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

भाई साहब ने उछलकर पतंग की डोर पकड़ ली। (संयुक्त

वाक्य में)

View Text Solution

3. वाक्यं को निर्देशानुसार बदलिए :

ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी, जिसमें खुला चैलेंज दिया गया है। (सरल वाक्य में)

View Text Solution

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए-

(i) पत्र व्यवहार

(ii) चक्रधर

View Text Solution

5. निम्नलिखित विग्रहें के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए-

(i) महान् है जो नायक

(ii) घर और परिवार

View Text Solution

6. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

हाथ पाँव फूल जाना

View Text Solution

7. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

प्राणांतक परिश्रम करना

View Text Solution

8. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

सिर पर तलवार लटकना

View Text Solution

9. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

सपनों के महल बनाना

View Text Solution

10. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

'मनुष्यता' कविता में कवि किन-किन मानवीय गुणों का वर्णन करता है? आप इन गुणों को क्यों आवश्यक समझते हैं, तर्क सहित उत्तर लिखिए।

View Text Solution

11. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए-

सीमा पर भारतीय सैनिकों के द्वारा सहर्ष स्वीकारी जा रही कठिन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए और प्रतिपादित

कीजिए कि 'कर चले हम फिदा' गीत सैनिकों के हृदय की आवाज़ है।

View Text Solution

12. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए

हरिहर काका अनपढ़ थे लेकिन अपने अनुभव और विवेक से दुनिया को बेहतर समझते थे, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution